कुंआ हादसा मामले में एसडीएम ने सीईओ से मांगा जवाब

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। पन्ना जिले के अजयगढ़ तहसील अन्तर्गत ग्राम बीहरपुरवा में कुंआ धसंकने से पांच मजदूरों की मौत मामलें में एक महात्वपूर्ण मामला सामनें आया है।

जिसमें जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच दल द्वारा मौके पर पीड़ित परिजनों एवं ग्रामवासियों से सुनवाई के दौरान ग्राम के ही एक साक्षी द्वारा दल को बताया कि हादसे के कुछ दिन पूर्व मई माह में ही उक्त कूप में की जा रही अनियमितताओं के बारे में शिवप्रसाद अहिरवार निवासी ग्राम बीहरपुरवा ने सीएम ऑनलाईन में शिकायत कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की थी, जिस पर एसडीएम अजयगढ़ ने विगत 5 जून को सीईओ जनपद पंचायत अजयगढ़ को पत्र लिखा है जिसमें उल्लेख है कि कार्यालय कलेक्टर जिला पन्ना के आदेश के अनुसार दिनांक 26 मई को ग्राम बीहरपुरवा तहसील अजयगढ में मनरेगा अंतर्गत निर्माणाधीन कार्य निर्मल नीर कूप भिसक जाने के कारण मिटटी में दब जाने से पांच श्रमिको की आकस्मिक मत्य होने की घटना की जाँच गठित दल के अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इस जाँच कार्यवाही के तहत ग्राम बीहरपुरवा में सुनवाई के दौरान एक साक्षी द्वारा यह तथ्य बताया गया कि उक्त निर्माणाधीन कूप के संबंध में शिवप्रसाद पिता कल्लू अहिरवार निवासी ग्राम बीहरपुरवा द्वारा सी0एम0 हेल्प लाईन पर घटना के कुछ दिनों पूर्व मई 2026 में उक्त कूप के दोबारा कार्य प्रारंभ होने के पूर्व शिकायत दर्ज कराई गई थी। अत: आप उक्त संबंध में जानकारी प्रस्तुत करें कि क्या ऐसी कोई शिकायत उक्त व्यक्ति या अन्य व्यक्ति द्वारा की गई थी। यदि की गई थी तो क्या निराकरण किया गया अथवा नहीं। शिकायत के डिटेल की प्रति भी प्रस्तुत की जावे। अब यदि उपरोक्त बात सही है कि हादसे के पूर्व सीएम ऑनलाईन शिकायत हुई थी तो इससे साफस्पष्ट होता है कि इस पूरे हादसे के मामलें में जनपद पंचायत अजयगढ़ सीईओ सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी जिम्मेदार है यदि लापरवाही न की जाती तो शायद हादसा न होता। अब सीएम ऑनलाईन शिकायत हुई थी या नही यह तो जांच उपरांत की स्पष्ट हो सकेगा।

क्या कहते हैं अधिकारी

जब उपरोक्त मामलें में एसडीएम अजयगढ़ संजय नागवंशी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उपरोक्त मामलें में सीईओ जनपद पंचायत अजयगढ़ को पत्र लिखा गया था लेकिन उनके द्वारा आज तक कोई जवाब नही दिया गया है।

कुंआ हादसे के प्रमुख तथ्य

जनपद पंचायत अजयगढ़ के ग्राम पंचायत बीहरपुरवा के मजरा नयापुरवा में विगत 26 मई को हृदयविदारक घटना घटित हुई थी जिसमें मनरेगा योजना के निर्मल नीर कूप नियम विरूद्ध निजी भूमि पर खोदा जा रहा था जिसमें पांच मजदूरों की कुंआ धंसकने से मौत हो गई थी। घटना में जो प्रमुख रूप से तथ्य सामनें आये है उसमें वर्ष 2025 में एक वर्ष पूर्व भी वही मौत का कुंआ धसक चुका था, जिसे प्रशासन द्वारा छिपाया गया था। वहीं 2 मई 2025 के बाद कोई मस्टर वर्क रिकार्ड में जनरेट नही हुआ। यानि की रिकार्ड में एक साल से काम ठप्प रहा फ़िर भी वास्तव में कार्य जारी रहा। वहीं 2 मई 2025 तक मजदूरी मद में 2 लाख 26 हजार में से 1 लाख 98 हजार 264 रूपये खर्च दिखाया गया जबकि खुदाई पूरी नही हुई। इससे स्पष्ट है कि रिकार्ड में फर्जी काम दिखाकर बिल बाउचरों का अधिकारियों द्वारा फर्जी प्रमाणीकरण कर भुगतान किया गया है जो आज भी प्रशासनिक एवं राजनैतिक संरक्षण के चलते कार्यवाही से बचे हुए है।

लाडली बहनों से पीएम मानधन योजना में पंजीयन की अपील

18 से 40 वर्ष आयु की लाडली बहनें पंजीयन करा सकेंगी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के लिए एक अत्यन्त लाभकारी प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की महिला लाभार्थी भी इसका लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पन्ना जिले की सभी पात्र लाडली बहनों से योजना के लाभ के लिए अधिकाधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन करवाने की अपील की गई है। यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए चलाई जा रही है। इसमें 60 वर्ष की आयु के बाद तीन हजार रूपए की मासिक पेंशन मिलती है, जिससे बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। घर से काम करने वाली महिलाएं, घरेलू कामगार, धोबी, नाई, सब्जी व फ्रूट बेचने वाली महिलाएं, रिक्शा चालक, होटल व ढाबा कामगार, ईंट भट्टा मजदूर, निर्माण श्रमिक, भूमिहीन खेतिहर मजदूर महिला भी योजना के लाभ के लिए पात्र हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि योजना में 18 से 40 वर्ष आयु की लाडली बहनें पंजीयन करा सकेंगी। मासिक आय अधिकतम 15 हजार रूपए तक होना चाहिए। ईपीएफ एनपीएस अथवा ईएसआईसी से लाभांवित महिलाएं पात्र नहीं है। महिलाओं के पास स्वयं का आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा लाड़ली बहना योजना का रजिस्ट्रेशन विवरण होना चाहिए। नजदीकी जन सेवा केन्द्र या पंचायत भवन में जाकर निःशुल्क पंजीयन करवाया जा सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से भी संपर्क किया जा सकता है।

10 करोड़ की लागत से निर्मित अस्पताल का नहीं हो सका शुभारंभ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। क्षेत्र की जनता को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 100 बिस्तरीय नवीन सिविल अस्पताल भवन आज भी लोकार्पण की राह देख रहा है। वर्ष 2021-22 में स्वीकृत इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन एवं शिलान्यास विधानसभा चुनाव 2023 से पूर्व अरण्य भवन के पीछे किया गया था।

उस समय इसे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाली पहल के रूप में देखा गया था, लेकिन आज चार वर्ष बाद भी यह अस्पताल जनता के लिए शुरू नहीं हो सका है। निर्माण एजेंसी के अनुसार अस्पताल भवन का कार्य लगभग 11 माह में पूर्ण होना था, लेकिन निर्धारित समयसीमा बीतने के बाद भी निर्माण कार्य लगातार खिंचता रहा। करीब चार वर्ष गुजर जाने के बाद भवन का निर्माण तो पूरा हो गया, किंतु एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद इसका लोकार्पण और संचालन शुरू नहीं हो सका है। ऐसे में क्षेत्रवासियों के बीच यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि आखिर करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस अस्पताल का लाभ आम जनता को कब मिलेगा। गुरुवार को पन्ना कलेक्टर द्वारा नवीन अस्पताल भवन का निरीक्षण एवं भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उद्घाटन में हो रही देरी के कारण क्षेत्र की जनता आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। गंभीर मरीजों को आज भी बेहतर उपचार के लिए जिला मुख्यालय या अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और आर्थिक दोनों तरह की परेशानी उठानी पड़ती है।

अस्पताल भवन के निर्माण गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल

इधर, अस्पताल भवन की निर्माण गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का आरोप है कि भवन की कुछ दीवारों में दरारें दिखाई देने लगी हैं। नागरिकों का मानना है कि उद्घाटन से पहले ही भवन में दरारें नजर आना निर्माण गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है और इसकी तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि अस्पताल भवन का शीघ्र लोकार्पण कर स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ की जाएं तथा निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच भी कराई जाए।

एसपी ने 1 करोड़ 24 लाख की आधुनिक बैरक निर्माण का किया भूमि पूजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। पुलिस बल के आवासीय एवं आधारभूत संसाधनों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आज पुलिस लाइन परिसर, पन्ना में नवीन बैरक निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। प्रस्तावित बैरक का निर्माण मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम द्वारा कराया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 1 करोड़ 84 लाख

रुपये है। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त बैरक मध्यप्रदेश विशेष सशस्त्र बल (एस.ए.एफ) के जवानों की आवासीय क्षमता के अनुरूप निर्मित किया जाएगा। भवन में एक समय में 60 जवानों के ठहरने की व्यवस्था के साथ-साथ कंपनी कमांडर हेतु पृथक कार्यालय कक्ष निर्मित किए जाएंगे। बैरक में पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर आवासीय व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, विद्युत व्यवस्था, पर्याप्त वेंटिलेशन, स्वच्छता संबंधी सुविधाएं एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू ने कहा कि पुलिस कर्मियों को बेहतर आवासीय एवं कार्य वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है।

कुंआ हादसा मामले में सीईओ एवं उपयंत्री को हाईकोर्ट ने किया तलब

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। जिला प्रशासन भले ही मनरेगा कूंप हादसे में पांच मजदूरों की मौत मामलें में लापरवाही बरत रहा हो, लेकिन अब यह मामला हाईकोर्ट पहुंच चुका है।

कथित तौर पर वास्तिविक दोषी अधिकारियों ने जिस तरह अपना गला बचाने के लिये पंचायत एवं कथित निर्माणकर्ता ठेकेदार पर जिम्मेदारी थोपी है और उन पर एफ्आईआर भी दर्ज करा दी गई थी। अब उन्हीं में से आरोपी ठेकेदार द्वारा हाईकोर्ट की शरण ली गई है ठेकेदार द्वारा हाईकोर्ट जबलपुर में अग्रिम जमानत याचिका प्रस्तुत की गई है जिस पर हाईकोर्ट द्वारा सीईओ जनपद पंचायत अजयगढ़ सतीश नागवंशी एवं उपयंत्री आशीष विश्वकर्मा व्यक्तिस: 17 जून को उपस्थित होकर आवेदक/कथित ठेकेदार के बारे में स्पेशफिक्क रिपोर्ट एवं उसकी उक्त कूंप निर्माण में स्पष्ट भूमिका के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये कहा गया है। आज 17 जून को हाईकोर्ट जबलपुर में इनके द्वारा क्या जबाव प्रस्तुत किया गया यह समाचार लिखे जाने तक पता नही चल सका।

कृषि विभाग की सूचनादाता प्रोत्साहन योजना लागू

मिलेगा एक हजार रुपए का इनाम

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। जिले में उर्वरकों का अवैध विक्रय, अनाधिकृत भंडारण, कालाबाजारी तथा नकली व मिलावटी उर्वरकों के निर्माण की संभावना, अनुदानित उर्वरकों (यूरिया) के अनाधिकृत औद्योगिक उपयोग की संभावना के दृष्टिगत तथा अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा सूचनादाता प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

विभाग द्वारा इसके लिए विश्वसनीय सूचनाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। योजना में खाद की कालाबाजारी की सूचना देने वाले को एक हजार रूपए नकद इनाम प्रदान करने का प्रावधान है। प्रोत्साहन राशि सीधे बैंक खाते में दी जाएगी। राज्य एवं जिले का कोई भी नागरिक, किसान या व्यापारी अवैध गतिविधियों की शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत के लिए हेल्पलाइन नम्बर 155253 जारी किया गया है। सूचना देने वाले की पहचान भी गुप्त रखी जाएगी। यह योजना 30 सितम्बर 2026 तक लागू रहेगी।

बृहस्पति कुंड का ग्लास ब्रिज मानसून सीजन में पर्यटकों को लुभाएगा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड में ग्लास ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। अभी इसका औपचारिक शुभारंभ नहीं हुआ है, लेकिन हवा में लटके ब्रिज को देखने के लिए लोग पहुंचने लगे हैं। पर्यटक यहां सेल्फी, फेटो और रील बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

मई के अंत तक इस ग्लास ब्रिज को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। एमपीटी के इंजीनियर विवेक चौबे ने बताया कि करीब 3 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण किया गया है। यह ब्रिज पन्ना जिले के पर्यटन को नई पहचान देने के साथ प्रदेश में रोमांचक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है। लगभग 28 मीटर लंबे इस ब्रिज की सबसे खास बात इसका 11 मीटर हिस्सा है, जो पूरी तरह हवा में लटका हुआ है। यहां खड़े होकर पर्यटक नीचे की गहराई, प्राकृतिक चट्टानों और मनोरम दृश्य का रोमांचक अनुभव कर सकेंगे। ब्रिज में उच्च गुणवत्ता वाली सुरक्षा मानकों से युक्त ग्लास शीट्स लगाई गई हैं।

मानसून में उमड़ेंगे पर्यटक - मानसून के दौरान करीब 300 फीट ऊंचाई से गिरने वाला बृहस्पति कुंड जलप्रपात पहले ही देशभर के पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। अब ग्लास ब्रिज बनने से यह स्थल रोमांच और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम बन जाएगा।

इसी तरह का एक ग्लास ब्रिज जबलपुर के भेड़ाघाट में भी निर्माणाधीन है। ऐसे में दोनों में से जिसका पहले उद्घाटन होगा, वह प्रदेश का पहला ग्लास ब्रिज कहलाएगा।

रोजगार के अवसर होंगे सृजित

पर्यटन विकास को ध्यान में रखते हुए यहां पार्किंग, मुख्य द्वार, कैफेटेरिया, जन सुविधा पार्क, व्यू प्वाइंट और पाथ-वे का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। ब्रिज शुरू होने के बाद स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। प्राकृतिक सुंदरता के साथ बृहस्पति कुंड का धार्मिक महत्व भी विशेष है। मान्यता है कि देवगुरु बृहस्पति ने यहां तपस्या की थी और भगवान श्रीराम भी वनवास काल में यहां आए थे। इसी कारण यह स्थल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

अवैध शराब के विरुद्ध पवई पुलिस की बड़ी कार्यवाही

नवभारत न्यूज

पवई 17 जून। सपन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियो को अपने.अपने थाना क्षेत्रो में अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था।

जिसके तारतम्य में दिनांक 16.17 जून की दरम्यानी रात को थाना प्रभारी पवई निरीक्षक श्री सुशील कुमार अहिरवार को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि सलेहा रोड से पवई तरफएक पिकअप वाहन अबैध शराब से भरी हुई आ रही है । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिह ए एसडीओपी पवई श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी पवई श्री सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में तत्काल एक टीम गठित कर घेराबंदी कर पवई. सलेहा मुख्य मार्ग ग्राम कैथी के पास से पिकअप वाहन क्रमांक डच्39 ळ1280 को रोककर चेक किया गया जिसमें देसी मदिरा मसाला की 37 पेटिया एवं देसी मदिरा प्लेन की 54 पेटिया कुल मिलाकर 91 पेटियो में भरी हुई 08 सौ 19 लीटर अवैध शराब कीमती करीबन चार लाख की भरी होना पाई गई।

आरोपी वाहन चालक प्रमोद राय पिता हरचरण राय निवासी सूरजपुराखुर्द थाना बड़ामलहरा जिला छतरपुर के द्वारा इतनी अधिक मात्रा में शराब परिवहन बिना किसी लाइसेंस के किए जाने से धारा 34;2द्ध आबकारी एक्ट के तहत अवैध शराब एवं पिकअप वाहन दोनों की कुल कीमत करीबन चौदह लाख रुपये को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण की विवेचना प्रारंभ कर दी गई है ण

उल्लेखनीय भूमिका'. उक्त संपूर्ण कार्यवाही निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में ए प्रधान आरक्षक नीरज रैकवार ए प्रधान आरक्षक कमलेश शर्माए प्रधान आरक्षक विनोद कुमार ए आरक्षक भागीरथ अहिरवार एवं वाहन चालक राम भगत पांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सागौन रूटशूट रोपण का वैज्ञानिक प्रशिक्षण आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। दक्षिण पन्ना वनमंडल के अंतर्गत आगामी वर्षाकालीन रोपण कार्यों को अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय सागौन स्टंप (रूटशूट) रोपण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन वनपरिक्षेत्र रैपुरा में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सागौन रोपण की उन्नत तकनीकों से मैदानी अमले को अवगत कराना तथा रोपण की जीवितता दर (सर्वाइवल रेट) में वृद्धि सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम में वन विकास निगम, कुंडम के अनुभवी वनपरिक्षेत्र अधिकारी पी. वेणुगोपाल नायडू मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अक्षत जैन (भारतीय वन सेवा), उपवनमंडल अधिकारी पवई तथा विवेक कुमार जैन, वनपरिक्षेत्र अधिकारी रैपुरा भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में रैपुरा, मोहंद्रा, पवई एवं सलेहा वनपरिक्षेत्रों के रोपण प्रभारी, परिक्षेत्र सहायक तथा रैपुरा वनपरिक्षेत्र के मैदानी एवं कार्यालयीन कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान श्री नायडू ने सागौन स्टंप के वैज्ञानिक चयन, जड़ एवं तने के उपयुक्त अनुपात, क्रोबार डिग की मानक माप एवं दूरी, मृदा उपचार, दीमक नियंत्रण तथा खाद प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री एवं सही रोपण पद्धति के महत्व पर विशेष बल दिया।

शहर में जल गुणवत्ता पर सवाल घरों तक पहुंच रहा अमानक पानी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। क्या नगर की जनता को शुद्ध पानी मिल रहा है? क्या मानक के अनुसार पेयजल का परीक्षण किया जा रहा है? क्या आपूर्ति किये जाने वाले पेयजल से जनता संतुष्ट है? क्या नगर पलिका के पास पेयजल की गुणवत्ता को परखने के लिये पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं?

क्या पर्याप्त मात्रा में नमूने लिये जा रहे हैं? इस तरह के सवाल इसलिये खड़े हो रहे हैं जल गुणवत्ता को लेकर कई शिकायतें प्रकाश में आ रही है? कई वार्डों में आपूर्ति होने वाले पानी में विशेष प्रकार की गंध आती है। ऐसा लगता है जैसे शुद्धता के लिये उपयोग होने वाले केमिकल का अधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा है। वहीं कुछ वार्डों से शिकायतें आ रही है कि वहां दुर्गन्धयुक्त पानी पहुंचाया जा रहा है। तो कहीं अनियमित रूप से पानी की आपूर्ति हो रही है। कई जगह तो पाईपलाइनों में लीकेज के कारण भारी मात्रा में पानी का बहाव हो रहा है। यदि इस तरह का लीकेज जमीन के नीचे ऐसे स्थान पर है जहां नाली या नाला है या गंदा पानी वहां जमा होता है तो वही पानी पेयजल की पाईपलाईन में भी प्रवेश कर सकता है। निस्संदेह जल गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। जिसे शुद्ध पानी की संज्ञा दी जाती है वह घरों में पहुंचने के बाद प्रदूषित हो जाता है।

जलजनित बीमारियों का कारण प्रदूषित पेयजल - यह बात भी स्पष्ट है कि कई बीमारियां प्रदूषित पानी के उपयोग से होती है। हाल में इंदौर की घटना ने इस बात को प्रमाणित कर दिया है। वहीं जल जनित बीमारियों को पहले से भी कई तथ्य प्रमाणित हो चुके हैं। यही कारण है कि पानी की गुणवत्ता निर्धारित है, उसका मानक स्तर निर्धारित किया गया है। उस स्तर तक उसे शुद्ध किया जाता है उसके बाद आपूर्ति की जाती है। किन्तु जहां सरकारी लापरवाही होती है, जहां संबंधित अमला या उससे जुड़े अधिकारी जिम्मेदारी के साथ काम नहीं करते। नियमित रूप से मानीटरिंग नहीं करते।

घरों से नहीं लिए जाते पानी के नमूने

फिल्टर प्लांट में पानी का शुद्धिकरण किया जाता है तो उसके बाद भी पानी के नमूने लिये जाने चाहिये। चूंकि अंतिम स्थिति में पानी पाईप लाईनों के माध्यम से घरों तक पहुंचता है। जबकि शहर में पाईप लाईनों की स्थिति हर जगह एक जैसी नहीं है। सुधार के नाम पर भले ही बहुत कुछ करने की बात कही जाती हो। किन्तु सत्य यही है कि शहर की पेयजल पाईप लाईनें पूरी तरह से ठीक नहीं है। नगर पालिका प्रशासन इस मामले को गंभीरता से कभी लेता ही नही है। यही कारण है कि अंतिम स्थिति में जब शोधित पेयजल घरों तक पहुंचता है तो कई जगह उसकी गुणवत्ता खराब हो जाती है। वह प्रदूषित हो जाता है। इसलिये आवश्यकता इस बात की है कि वार्डों में उपभोक्ताओं के यहां भी जल गुणवत्ता के नमूने लिये जाने चाहिये। किन्तु इस तरह की प्रक्रिया आज तक नगर पालिका में शुरू ही नहीं हुई।

सांसद एवं विधायक के संरक्षण में श्री जुगल किशोर लोक निर्माण में करोड़ों का हो रहा भ्रष्टाचार : श्रीमती बुंदेला

नवभारत न्यूज

पन्ना, 17 जून। ब्लांक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला ने आज पत्रकारवार्ता आयोजित कर क्षेत्रीय सांसद बी.डी.शर्मा एवं विधायक ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह के संरक्षण में नगर पालिका द्वारा व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार किये जाने एवं नियम विरूद्ध अध्यक्ष पति पर विगत 4 वर्षो से नगर पालिका अध्यक्ष के चैंबर में बैठ कर अनाधिकृत तौर पर नगर पालिका के संचालन का आरोप लगाया है।

पन्ना नगर पालिका द्वारा बुंदेलखंड के आराध्य भगवान जुगल किशोर लोक निर्माण के कार्यों में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार एवं अनिमित्ताएं की जा रही हैं तथा नगर में किए जा रहे अन्य कार्यों में भी लगातार नगर पालिका द्वारा करोड़ों का भ्रष्टाचार किया गया है उक्त मामले को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पन्ना की अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला ने नगर पालिका अध्यक्ष सांसद तथा क्षेत्रीय विधायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा से जुड़े जनप्रतिनिधियों द्वारा धार्मिक कार्यों मे भी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। श्री जुगल किशोर मंदिर में पूर्व से टाइल्स मार्बल तथा अन्य संरचना बनी हुई थी जिन्हें तोड़कर कमीशन खाने के चक्कर में फिर से मनमाने ढंग से बनाया जा रहा है। जबकि प्राचीन ऐतिहासिक संरचनाओं को किस प्रकार से क्षति

नहीं पहुंचाई जा सकती है लेकिन शासन द्वारा दी गई करोड़ों की राशि को ठिकाने लगाने के चक्कर में यह सारा खेल चल रहा है। वहीं पंचम सिंह चौराहा के पास चार बार भगवान श्री जुगल किशोर जी मंदिर का स्वागत द्वार तोड़कर बनाया गया तथा चारों बार उसमें शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया। इसी प्रकार मंदिर के सामने धर्मशाला एवं परिसर को तोड़कर तीन मंजिला भवन खड़ा कर दिया गया जबकि मंदिर परिसर के सामने पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है पार्किंग बनाई जाती तो बेहतर होता। उन्होंने संपूर्ण मामले की जांच कराए जाने की मांग की है।

इसके अलावा नगर के मठिया तालाब को सौंदर्यकरण के नाम पर एक करोड़ 36 लाख की राशि खर्च की जा रही है तथा तालाब की मेड को इसलिए चौड़ीकरण किया जा रहा है क्योंकि नगर पालिका अध्यक्ष के पति एवं अन्य भाजपा के जनप्रतिनिधियों द्वारा जमीन खरीद कर प्लाटिंग की जा रही है एवं मैरिज गार्डन आदि बनाए जा रहे हैं उक्त कार्य के लिए नगर पालिका के टैक्स की शासकीय राशि को ठिकाने लगाया जा रहा है नगर पालिका द्वारा कायाकल्प के तहत नगर में कोतवाली चौराहा से अजयगढ़ चौराहा तक 4 करोड़ की सड़क का निर्माण किया गया जिसमें सड़क की चौड़ाई कम कर दी गई और राशि निपटा दी गई नगर के अंदर मोहन निवास नहर पट्टी में पाथवे निर्माण एवं नाला सफ़ाई प के नाम पर 3 करोड़ से अधिक की राशि आधा अधूरा निर्माण करकर ठेकेदार को भुगतान कर दिया गया जबकि उक्त कार्य अत्यंत घटिया एवं गुणवत्ता हीन हैं रहा जो बनने के कुछ ही दिन बाद नष्ट हो गया। इसी प्रकार मोहन निवास चौराहा से सानवी होटल तक बनाई गई सड़क एक वर्ष के अंदर ही उखड़ गई इसी प्रकार श्री जगदीश स्वामी मंदिर से लेकर गांधी चौक मुख्य सड़क तक बनाई गई सीसी सड़क 6 महीना के अंदर ही उखड़ गई नगर पालिका में बिजली सामग्री खरीदी स्वच्छता सामग्री खरीदी वाहनों की खरीदी में भी व्यापक स्तर पर भारी भ्रष्टाचार किया गया नगर पालिका का नया भवन बनाना प्रस्तावित है उसके बावजूद पुराने भवन में लाखों की राशि खर्च करके भारी कमीशन खाया ।